POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A.- III (Hons.), Paper-V

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

व्यवस्था दृष्टिकोण

व्यवस्था उपागम एक ऐसा विचार है जो 'व्यवस्था' को केंद्रीय तत्व मानकर उसका अध्ययन करता है। यह प्रशासनिक संगठन को विभिन्न अंगों की व्यवस्था के रूप में देखता है। इसके समर्थकों का मानना है कि संगठन का निर्माण किसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए होता है। संगठन में अंगों का पृथक कार्य होता है तथा संगठन के सभी अंग एक दूसरे पर निर्भर होते हैं। प्रशासन के ढांचे में आगत एवं निर्गत कार्य करते हैं जिससे प्रशासनिक व्यवस्था का संचालन होता है।

चेस्टर बर्नार्ड ने 'प्रशासनिक संगठन' को एक व्यवस्था के रूप में देखा है जोकि मानवीय क्रियाओं से मिलकर बनती है। इस प्रकार हम देख सकते हैं कि प्रशासनिक संगठन 'सहकारी प्रयासों की एक व्यवस्था' है। चेस्टर बर्नार्ड द्वारा प्रतिपादित संगठन के अध्ययन की व्यवस्था विश्लेषण पद्धति प्रशासन के अध्ययन की जड़ व यांत्रिक विचारधारा के बदले प्रशासन को एक 'सजीव व्यवस्था' मानती है। लोक प्रशासन में व्यवस्था विश्लेषण के क्षेत्र में सबसे बड़ा योगदान हर्बर्ट साइमन एवं चेस्टर बर्नार्ड का है।